डिजीटल साक्षरता में भारत के 2.5 मिलियन लोक सेवकों की क्षमता-निर्माण के लिए माइक्रोसॉफ्ट ने एमएसडीई और क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) के साथ का सहयोग किया

- माइक्रोसॉफ्ट डिजिटल उत्पादकता कौशल में एमएसडीई द्वारा क्षमता निर्माण परियोजना का उद्देश्य भारत सरकार के लगभग 2.5 मिलियल लोक सेवकों की प्रकार्यात्मक कम्प्यूटर साक्षरता को बढ़ाना है।

नई दिल्ली, 09 अगस्त, 2022: माइक्रोसॉफ्ट ने भारतीय लोक सेवकों को भाविष्य के लिए तैयार कौशलों के साथ सशक्त बनाने के लिए कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) के साथ भागीदारी की है। माइक्रोसॉफ्ट डिजिटल उत्पादकता कौशल में एमएसडीई द्वारा क्षमता निर्माण परियोजना के अंतर्गत भागीदारी का उद्देश्य भारत सरकार के लगभग 2.5 मिलियल लोक सेवकों की प्रकार्यात्मक कम्प्यूटर साक्षरता को बढ़ाना है। यह परियोजना समाज के कमजोर और वंचित समूहों को दक्ष और प्रभावी नागरिक केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के लिए उन्हें डिजिटली सशक्त करेगी। यह उन्हें अंतिम सोपान तक सामाजिक कल्याण सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाएगा।

श्री राजेश अग्रवाल, सचिव एमएसडीई; श्री आदिल जैनुलभाई, अध्यक्ष, सीबीसी; श्री प्रवीण परदेशी, प्रशासन सदस्य, सीबीसी और श्री आशुतोष चड्ढा, समूह प्रमुख और निदेशक, सरकारी मामले, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया की गरीमामयी उपस्थिति में समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया और परस्पर आदान-प्रदान किया गया था।

इस परियोजना में, प्रशिक्षण में अनुभाग अधिकारी, सहायक अनुभाग अधिकारी, लिपिक, उच्च श्रेणी लिपिक, अवर श्रेणी लिपिक, अवर सचिव, उप-सचिव और केंद्र सरकार के निकायों में वरिष्ठ, कनिष्ठ और सहायक स्तरों पर समकक्ष अधिकारियों जैसे जॉब रोल शामिल होंगे। सीबीसी ने रक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता, व्यय, वित्त, सामाजिक न्याय, नागर विमानन, पत्तन और पोत परिवहन तथा श्रम मंत्रालयों के लिए क्षमता-निर्माण योजनाएं शुरू की हैं। इन जॉब रोलों के बीच अभिज्ञात प्रमुख क्षमता अंतरालों में से एक पेशेवर स्तर पर वर्ड, एक्सेल और पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन जैसे माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस टूल्स पर काम करते समय आवश्यक डिजिटल उत्पादकता अनुप्रयोग कौशल की कमी थी। इसलिए भागीदारी के अंतर्गत यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिकारियों को उनके डिजिटल उत्पादकता कौशल को उन्नत करने में सक्षम बनाएगा, ताकि वे विभिन्न मंत्रालयों में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से पूरा कर सकें।

भागीदारी की सराहना करते हुए, **श्री राजेश अग्रवाल, सचिव, एमएसडीई** ने कहा, "आज का सहयोग हमारे माननीय प्रधान मंत्री द्वारा परिकल्पित - मिशन कर्मयोगी पहल के अनुरूप है, यह हमारे लोक सेवकों के विकास की ओर संरेखित है। डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने वाले

कार्यक्रमों पर जोर देकर, हम अपने नागरिकों को बाधा मुक्त सेवाएं प्रदान करने और दिन-प्रतिदिन के कारोबार में पारदर्शिता लाने में सक्षम होंगे। हमारा उद्देश्य नागरिक-अनुकूल और व्यवसाय-अनुकूल नीतियां तैयार करना है। प्रौद्योगिकी हमारे दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बन गई है, माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल और पॉवरपॉइंट अब हमारे कार्य प्रणाली का एक अनिवार्य घटक हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हमारे कार्यबल को इन कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जाए और मुझे विश्वास है कि इस गठबंधन के साथ, हम मिशन कर्मयोगी को एक सफल स्कीम बनाने में सक्षम होंगे।

श्री आदिल ज़ैनुलभाई, अध्यक्ष, सीबीसी ने कहा, “माननीय प्रधान मंत्री के मिशन कर्मयोगी का विजन प्रत्येक लोक सेवक की क्षमता को सशक्त करना है। प्रमुख क्षमताओं में से एक दिन-प्रतिदिन के काम के लिए विभिन्न डिजिटल प्रौद्योगिकीयों में सक्षम होना है। एमएसडीई और माइक्रोसॉफ्ट के साथ सहयोग से लोक सेवकों को अपनी पसंद के समय पर डिजिटल रूप से प्रशिक्षित करने की अनुमति मिलेगी। यह उनकी क्षमताओं को बढ़ाएगा और उन्हें और अधिक प्रभावी बनाएगा।"

श्री आशुतोष चड्ढा, संस्था प्रमुख और निदेशक, सरकारी कार्य, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया ने कहा, “प्रत्येक जॉब के लिए डिजिटल कौशल अपेक्षित होगा और हम देश में कौशलीकरण के अधिक अवसर पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के साथ भागीदारी करने का सौभाग्य मिला है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, हम केंद्र सरकार के कर्मचारियों को प्रमुख डिजिटल कौशल पर सशक्त बनाने और डिजिटल इंडिया के विजन को बढ़ाने का लक्ष्य बना रहे हैं। यह पहल न केवल अधिक उत्पादकता को बढ़ावा देगी, बल्कि अधिक डिजिटल समाधानों के साथ व्यापार करने में आसानी को भी सक्षम बनाएगी।"

सहयोग के भाग के रूप में, माइक्रोसॉफ्ट एमएसडीई के लिए माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस 365 डिजिटल उत्पादकता सूट प्रदान करने वाला एक ऑनलाइन, स्व-गतिशील शिक्षण पाठ्यक्रम विकसित करेगा, जो एमएसडीई को केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों के अधिकारियों को डिजिटल कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्षम करेगा। पाठ्यक्रम 12 घंटे की अवधि के आरंभिक और उन्नत पाठ्यक्रम - दो श्रेणियों के अंतर्गत तैयार किए जाएंगे और आरंभिक पाठ्यक्रम में पूर्णता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद शिक्षार्थी उन्नत पाठ्यक्रम प्राप्त करने में सक्षम होंगे। माइक्रोसॉफ्ट पाठ्यक्रम सामग्री को माइक्रोसॉफ्ट कम्युनिटी ट्रेनिंग पोर्टल (एमसीटी) पर होस्ट करेगा जिसे शिक्षार्थी आसानी से एक्सेस कर सकता है।

एमएसडीई और सीबीसी एमसीटी के माध्यम से सीबीसी के सहयोग से केंद्र सरकार के विभिन्न संगठनों और विभागों के अधिकारियों के लिए माइक्रोसॉफ्ट द्वारा तैयार पाठ्यक्रम सामग्री तक

नि:शुल्क पहुंच को सक्षम करेंगे। एमएसडीई सरकारी अधिकारियों के लिए एमसीटी के माध्यम से ऑनलाइन स्व-गतिशील प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफल तैनाती की दिशा में पक्षों के बीच समन्वय और सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके अलावा, एमएसडीई परियोजना की प्रगति की निगरानी करेगा और प्रशिक्षण परिणामों की ट्रैकिंग करेगा।

यह सभी मंत्रालयों, विभागों और संगठनों (एमडीओ) को राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति के अनुसार, सभी अनुभाग अधिकारियों और सहायक अनुभाग अधिकारियों को उनके कैरियर की प्रगति के लिए परियोजना से डिजिटल उत्पादकता कौशल में अनिवार्य प्रमाणन के लिए प्रोत्साहित करेगा।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के बारे में

एमएसडीई का गठन 09 नवंबर 2014 को भारत सरकार द्वारा कौशल की नियोजनीयता बढ़ाने पर ध्यान देने के लिए किया गया था। स्थापना के बाद से, एमएसडीई ने नीति, रूपरेखा और मानकों को औपचारिक रूप देने; नए कार्यक्रम और स्कीमें आरंभ करने; नई अवंसरचना का निर्माण और मौजूदा संस्थाओं का उन्नयन करने; राज्यों के साथ भागीदारी; उद्योगों से जुड़ना और कौशल हेतु सामाजिक स्वीकृति और आकांक्षाओं का निर्माण करने के लिए महत्वपूर्ण पहलें और सुधार किए हैं। मंत्रालय का उद्देश्य न केवल मौजूदा जॉबों के लिए बल्कि सृजित जॉबों के लिए भी नए कौशलों का निर्माण और नवोन्मेष के लिए कुशल जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को पाटना है। कुशल भारत के अंतर्गत अब तक 5.5 करोड़ से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

माइक्रोसॉफ्ट के बारे में

माइक्रोसॉफ्ट (नॉस्डैक "एमएसएफटी" @माइक्रोसॉफ्ट) इंटेलिजेंट क्लाउड और इंटेलिजेंट एज युग के लिए डिजिटल परिवर्तन को सक्षम बनाता है। इसका उद्देश्य विश्व के प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक संगठन को अधिक उपलब्धियों के लिए सशक्त बनाना है। माइक्रोसॉफ्ट ने भारत में 1990 में अपना परिचालन स्थापित किया। आज, भारत में माइक्रोसॉफ्ट की संस्थाओं में 18,000 से अधिक कर्मचारी हैं, जो 11 भारतीय शहरों - अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, नई दिल्ली, गुरुग्राम, हैदराबाद, कोच्चि, कोलकाता, मुंबई, नोएडा और पुणे में सेल्स और मार्किटिंग, अनुसंधान, विकास और ग्राहक सेवा और सहायता में लगे हुए हैं। माइक्रोसॉफ्ट भारतीय स्टार्ट-अप, व्यवसायों और सरकारी संगठनों में डिजिटल परिवर्तन में तेजी लाने के लिए स्थानीय डेटा केंद्रों से अपनी वैश्विक क्लाउड सेवाएं प्रदान करता है।